

## वशिव उपेक्षति उषणकटबिंधीय रोग दविस

### प्रलिमिस के लयि:

NTDs के बारे में, वशिव स्वास्थय संगठन ।

### मेन्स के लयि:

उपेक्षति उषणकटबिंधीय रोगों से नपिटने हेतु भारत के प्रयास ।

### चर्चा में कयों?

प्रत्येक वर्ष 30 जनवरी को उपेक्षति उषणकटबिंधीय रोग दविस (NTD) मनाया जाता है । इसे 74वीं वशिव स्वास्थय सभा (2021) में घोषति कयिा गया था ।

- इस दनि को मान्यता देने का प्रस्ताव संयुक्त अरब अमीरात द्वारा प्रस्तुत कयिा गया था । इसे प्रतनिधियों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया ।
- वशिव स्वास्थय सभा [वशिव स्वास्थय संगठन](#) (WHO) की नरिणय लेने वाली संस्था है ।

### प्रमुख बदि

#### ■ उपेक्षति उषणकटबिंधीय रोग (NTD):

- NTD संक्रमण का एक समूह है जो अफ्रीका, एशिया और अमेरिका के वकिसशील क्षेत्रों में हाशयि पर रहने वाले समुदायों में सबसे सामान्य है ।
- ये रोग वभिन्न प्रकार के रोगजनकों जैसे- वायरस, बैक्टीरिया, प्रोटोजोआ और परजीवी के कारण होते हैं ।
  - NTD वशिव रूप से उषणकटबिंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है, जहाँ लोगों के पास स्वच्छ पानी या मानव अपशषिट के नपिटान के सुरक्षति तरीकों तक पहुँच नहीं है ।
- आमतौर पर इन बीमारियों के अनुसंधान और उपचार के लयि तपेदकि, [एचआईवी-एड्स](#) और मलेरिया जैसे बीमारियों की तुलना में कम धन आवंटति होता है ।
- NTD के उदाहरण हैं: [सरपदंश का ज़हर](#), खुजली, जम्हाई, ट्रेकोमा, [लीशमैनियासिस](#) और चगास रोग आदि ।

#### ■ NTDs पर लंदन उदघोषणा:

- इसे NTDs के वैश्वकि भार को वहन करने के लयि 30 जनवरी, 2012 को अपनाया गया था ।
- वशिव स्वास्थय संगठन (WHO), [वशिव बैंक](#), बलि एंड मेलडिा गेट्स फाउंडेशन के अधकिारी, प्रमुख वैश्वकि दवा कंपनियों के प्रतनिधियों के साथ-साथ कई राष्ट्रीय सरकारों के प्रतनिधियों ने लंदन के रॉयल कॉलेज ऑफ फजिशियिन में इन बीमारियों को समाप्त करने का संकल्प लयिा ।

#### ■ वर्ष 2021-2030 के लयि WHO का नया रोडमैप:

- प्रक्रिया से लेकर प्रभाव को मापने तक ।
- रोग-वशषिट योजना और प्रोग्रामि से लेकर सभी क्षेत्रों में सहयोगात्मक कार्य तक ।
- बाह्य रूप से संचालति एजेंडे से लेकर देश के स्वामतिव वाले और सरकार द्वारा वतितपोषति कार्यक्रमों तक ।

#### ■ NTD परदृश्य:

- NTDs वैश्वकि स्तर पर एक अरब से अधिक लोगों को प्रभावति करते हैं ।
  - ये रोग रोकथाम योग्य एवं उपचार योग्य हैं । हालाँकि ये रोग और गरीबी एवं पारस्थितिकि तंत्र के साथ इनके जटलि अंतरसंबंध वनिाकारी स्वास्थय, सामाजकि एवं आर्थकि परिणामों का कारण बने हुए हैं ।
- कुल 20 NTDs हैं, जो दुनिया भर में 1.7 बलियिन से अधिक लोगों को प्रभावति करते हैं ।
- [कालाज़ार](#) और [लसीका फाइलेरिया](#) जैसे परजीवी रोगों समेत भारत में कम-से-कम 11 ऐसे रोग मौजूद हैं, जनिसे देश भर में लाखों लोग प्रभावति होते हैं, इनमें प्रायः अधिकतर लोग गरीब एवं संवेदनशील वर्ग से हैं ।

#### ■ भारतीय परदृश्य:

- वर्ष 2021 में कालाज़ार के मामलों की अधकि व्यापकता के साथ-साथ बेहतर नगिरानी और परीक्षण की स्थति देखी गई ।
- वर्ष 2020 की तुलना में वर्ष 2021 में इस प्रकार के रोग के 35% कम मामले सामने आए और सभी रिपोर्ट कयि गए मामलों का पूर्ण उपचार

किया गया।

◦ भारत में कालाज़ार रोग खत्म होने की कगार पर है, 99% 'कालाज़ार स्थानिक ब्लॉकों' ने अपने-अपने उन्मूलन लक्ष्य हासिल कर लिये हैं।

■ **NTDs को समाप्त करने के लिये भारतीय पहल:**

- NTDs के उन्मूलन की दशा में गहन प्रयासों के हिससे के रूप में वर्ष 2018 में 'लम्फेटिक फाइलेरिया रोग के तीव्र उन्मूलन की कार्य-योजना' (APELF) शुरू की गई थी।
- वर्ष 2005 में भारत, बांग्लादेश और नेपाल की सरकारों द्वारा सबसे संवेदनशील आबादी के शीघ्र रोग नदिन और उपचार में तेज़ी लाने और रोग नगिरानी में सुधार एवं कालाज़ार को नयित्त्रति करने के लिये WHO समर्थति एक क्षेत्रीय गठबंधन का गठन किया गया है।
- भारत पहले ही कई अन्य NTDs को समाप्त कर चुका है, जिसमें गिनी वर्म, ट्रेकोमा और यॉज़ शामिल हैं।
- जन औषधि प्रशासन (**Mass Drug Administration**) जैसे नविकरक तरीकों को समय-समय पर स्थानिक क्षेत्रों में तैनात किया जाता है, जिसके द्वारा जोखिम वाले समुदायों को फाइलेरिया रोधी (Anti-filaria) दवाएँ मुफ्त प्रदान की जाती हैं।
- **सैंडफ्लाई प्रजनन (Sandfly Breeding)** को रोकने के लिये स्थानिक क्षेत्रों में घरेलू स्तर पर अवशषिट छड़िकाव जैसे वेक्टर जनति रोकथाम उपाय किये जाते हैं।
- सरकार **लम्फोएडेमा (Lymphoedema)** और **हाइड्रोसील Hydrocele** से प्रभावति लोगों के लिये रुग्णता प्रबंधन एवं वकिलांगता रोकथाम भी सुनिश्चित करती है।
- केंद्र और राज्य सरकारों ने **कालाज़ार (Kala-Azar)** और इसकी अगली कड़ी (ऐसी स्थिति जो पछिली बीमारी या चोट का परिणाम है) से पीड़ति लोगों के लिये वेतन मुआवज़ा योजनाएँ (**wage compensation schemes**) शुरू की हैं, जनिहें **पोस्ट-कालाज़ार डर्मल लीशमैनियासिस (Post-Kala Azar Dermal Leishmaniasis)** के रूप में भी जाना जाता है।

## आगे की राह

- भारत NTDs के खिलाफ लड़ाई में एक वैश्विक राष्ट्र के रूप में उभरने की दशा में अग्रसर है, लेकिन इस दशा में सफलता के लिये उचित साहसिक कार्रवाई करने की आवश्यकता है।
- गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल, शुद्ध पानी, स्वच्छता के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन को संबोधति करने और लैंगिक समानता, मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण सुनिश्चित करने के लिये एक एकीकृत दृष्टिकोण इन विविध NTDs को खत्म करने हेतु आवश्यक है।

## स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/world-neglected-tropical-diseases-day-1>

